



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

82  
21/11

सं. 139]

नई दिल्ली, सोमवार, जुलाई 24, 1989/श्रावण 2, 1911

No. 139]

NEW DELHI, MONDAY, JULY 24, 1989/SRAVANA 2, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

## वाणिज्य मंत्रालय

(आयात व्यापार नियंत्रण)

साम्बन्धित सूचना सं. 149-आई. टी. सी. (पी. एन.)/88-91

नई दिल्ली, 24 जुलाई, 1989

विषय :—अप्रैल 1988 मार्च 1991 के लिए प्रक्रिया पुस्तक

का. सं. एच. सी. 1/24/88-91—वाणिज्य मंत्रालय की साम्बन्धित सूचना सं. 2 आई. टी. सी. (पी. एन.)/88-91 **निर्देश**  
31 मार्च 1988 के अन्तर्गत प्रकाशित अप्रैल 1988 मार्च, 1991 के लिए यथासंशोधित प्रक्रिया पुस्तक का ओर ध्यान बिलाया जाता है।

उक्त पुस्तक में निम्नलिखित संशोधन मौखिक दिए गए उचित स्थानों पर किए जाएंगे—

क्रम संख्या	क्रिया पुस्तक	संदर्भ	संशोधन
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	155 (157)	परिशिष्ट 2—य आयात आवेदन शुल्क तथा अन्य आई. टी. सी. निक्षेपों को जमा करने/वापस लेने के लिए प्रक्रिया—शुल्क का भुगतान खण्ड (1) (क)	(1) वर्तमान खण्ड (1) (क) को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाए— “जब तक कि किसी आवेदक को आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 के खण्ड 4 के अन्तर्गत शुल्क की प्रदायगी से छूट प्राप्त न हो जाए, तब तक आयात साइड/सीमा शुल्क निकासी परमिट के लिए ऐसे आवेदन-पत्र को साथ

(1)	(2)	(3)	(4)
			<p>सेटल बैंक आफ इंडिया द्वारा विधिवत् मोहर लगाई हुई बैंक रसीद की दो प्रतियाँ जूनी चाहिए जिनमें आयात (नियंत्रण) आदेश की अनुसूची -3 के अनुसार निर्धारित अनुपात में शुल्क निक्षेप का हवाला दिया हुआ हो। निक्षेप सफल प्रपत्र/खजाना खालान 6 के साथ किया जाना चाहिए जिसमें नीचे सकेतिक अनुमान लेखा शीर्षक स्पष्ट रूप से दर्शाया जाए :—</p>
2. 155 (157)	जहाँ बैंक रसीद लो जाती है—खंड (4)	<p>(2) वर्तमान खण्ड (4) को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाए—  ऐसे मामलों में जहाँ ऊपर धारा (1)(क) में संदर्भित बैंक रसीद की दो प्रतियाँ आवेदक द्वारा लाई गई हों, आवेदक को इस संबंध में स्टाम्प कागज पर एक शपथ पत्र दायित्व करना चाहिए कि संबंधित बैंक रसीद की दो प्रतियाँ लाई गई या अस्थायित्व हो गई है और उनका किसी अन्य तरीके से उपयोग नहीं किया गया है। आगे उसे इस बात का उल्लेख करना चाहिए कि यदि बाद में बैंक रसीद की उक्त प्रतियाँ (या बैंक रसीद की दो में से कोई एक प्रति) मिल गई तो उसे सम्बन्ध लाइसेंस प्राधिकारी को लौटा दिया जाएगा और उसका किसी भी अन्य तरीके से उपयोग नहीं किया जाएगा। बैंक रसीद के न्योरे प्रतीत लाइसेंस अवधि परेवित की गई धनराशि भुगतान की तिथि प्रावि का भी शपथ पत्र में हवाला दिया जाना चाहिए।”</p>	
3. 155 (157)	आवेदन शुल्क की वापसी खण्ड (ख)	<p>(ख) मौजूदा खण्ड (ख) को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाए :  “जहाँ आवेदक आवेदन पत्र शुल्क वापसी का हकदार है, वहाँ इस परिशिष्ट में दिए गए निर्धारित प्रपत्र में आवेदन शुल्क वापसी के लिए आवेदन पत्र उस लाइसेंस प्राधिकारी को प्रस्तुत किया जाना चाहिए जिसके क्षेत्राधिकार में शुल्क की प्रदायगी की गई है वापसी के लिए आवेदन पत्र देते समय ऐसी वापसी के लिए आवेदन पत्र के साथ बैंक रसीद (दो प्रतियाँ) की दोनों प्रतियाँ संलग्न की जानी चाहिए। जिन मामलों में बैंक रसीद की उक्त प्रतियाँ लाइसेंस के लिए आवेदन पत्र के साथ संलग्न की गई हैं उनमें बैंक रसीद की तीसरी प्रति प्रस्तुत की जानी चाहिए। सभी मामलों में बैंक रसीद की तारीख और संख्या तथा जिस बैंक में शुल्क जमा किया गया है उसका नाम दिया जाना चाहिए।</p>	

3 भुगतान किया गया शुल्क या समर्थन वस्तावेजों आदि के न्योरे से संबंधित शीर्ष के अन्तर्गत इस पुस्तक में निर्दिष्ट आवेदन पत्र के सभी प्रपत्रों में जहाँ-जहाँ भी “मूल बैंक रसीद” शब्दों का उल्लेख है वहाँ उनके स्थान पर “बैंक रसीद की दो प्रतियाँ” शब्द प्रति स्थापित किए जाएंगे।

4. यह सार्वजनिक सूचना 14 अगस्त, 1989 से लागू होगी।

5. उपयुक्त समीक्षण लोकहित में, किए गए हैं।

6. कालम 2 के कोष्ठक में दी गई संख्या 31 मार्च, 1989 तक यथा समीक्षित प्रक्रिया पुस्तक की पृष्ठ संख्या है।

लेजेन्ड खप्पा, मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

## MINISTRY OF COMMERCE

## (IMPORT TRADE CONTROL)

## PUBLIC NOTICE NO. 149 -ITC(PN)/88—91.

New Delhi, 24th July, 1989

Sub : Hand Book of Procedures for April, 1988—March, 1991.

F.No. HB/1/24/88—91 : —Attention is invited to the Hand Book of Procedures for April, 1988—March, 1991 published under the Ministry of Commerce Public Notice No.2-ITC(PN)/88—91 dated the 30th March, 1988 as amended.

2. The following amendments shall be made in the said Book at appropriate places indicated below : —

Sl. No.	Page No. of Hand Book of Procedures, 1988-91.	Reference	Amendments
1	2	3	4
1.	155 (157)	APPENDIX II C The Procedure for deposit/ refund of import application fee and other ITC deposits — PAYMENT OF FEES. CLAUSE (i) (a)	(1) The existing Clause (i) (a) shall be substituted by the following : —  “Unless an applicant is exempt from payment of fees under Clause 4 of the Imports (Control) Order, 1955, every application for an Import Licence/CCP should be accompanied by two copies of Bank Receipt duly stamped by the Central Bank of India indicating the deposit in accordance with the prescribed scale of fees indicated in the Schedule III of the Imports (Control) Order. The deposits should be made alongwith the relevant form/ T.R.6 clearly indicating the head of account as mentioned below:—”
2.	155 (157)	WHERE BANK RECEIPT IS LOST. CLAUSE (iv).	(2) The existing Clause (iv) shall be substituted by the following : — “In cases where the applicant has misplaced the two copies of Bank Receipt referred to Clause (i) (a) above, the applicant should file an affidavit on the Stamped paper to the effect that the two copies of Bank Receipt in question have been lost or misplaced and have not been utilised in any other manner. Further, he should also mention that if the said two copies of Bank Receipt (or any one of the two copies of the Bank Receipt) are found subsequently they shall be returned to the licensing authority concerned and shall not be utilised in any other manner. The Particulars of the Bank Receipt i.e. licensing period, the amount remitted, the date of payment etc. should also be stated in the affidavit.”

1	2	3	4
3.	155 (157)	REFUND OF APPLICATION FEES. CLAUSE (b).	<p>(3) The existing Clause (b) shall be substituted by the following : —</p> <p>“Where the applicant is eligible for refund of application fee, an application for refund in the prescribed form given in this Appendix may be submitted to the licensing authority within whose jurisdiction the fee was paid. While making an application for refund, both the copies of Bank Receipt (two copies) should be enclosed with the application for such refund.</p> <p>In cases, where the said copies of Bank Receipt have been enclosed with the application for the Licence, the third copy of the Bank Receipt may be furnished. In all the cases, number and date of the Bank Receipt and date of the Bank Receipt and the name of the Bank where the fee was deposited should be given.”</p>

3. In all Application Forms specified in this Book, under the heading of particulars of fees paid or supporting documents etc. the words “Bank Receipt in original”, wherever mentioned, shall be deemed to have been substituted by the words “two copies of Bank Receipt”.

4. This public Notice will be effective from the 14th August, 1989.

5. The above amendments have been made in public interest.

6. The Number in brackets in Column 2 indicates the page number of the Hand Book of Procedures as amended upto 31st March, 1989.

TEJENDRA KHANNA, Chief Controller of Import & Exports